हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शनिवार 17 जनवरी 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जिले की 1 लाख 92 हजार 201 लाड़ली बहनों को मिली योजना की 32वीं किश्त

मण्डला। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने माखन नगर जिला नर्मदापुरम में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक महिलाओं को राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की राशि अंतरित की। इस दौरान जिले की 1 लाख 92 हजार 201 पात्र लाड़ली बहनों के खातों में 27.94 करोड़ की राशि अंतरित की गई। राज्य स्तरीय इस कार्यक्रम का जिले में सीधा सजीव प्रसारण किया गया, जिसे जिला मुख्यालय सहित जिले के सभी नगरीय निकाय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम में एनआईसी कक्ष मंडला से लाड़ली बहनों ने सहभागिता की। मकर सक्रांति पर्व के अवसर पर लाड़ली बहनों को तिल के लड्डू का वितरण किया गया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, सहायक संचालक रोहित बड़कुल सहित संबंधित उपस्थित रहे।

संयुक्त संचालक ने किया बीजाडांडी के आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण

मण्डला। महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक जबलपुर श्रीमती ऊर्षा सोलंकी ने परियोजना बीजाडांडी के आंगनबाड़ी केन्द्रों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र घुघरी, सोधन पिपरिया, कालपी तथा बीजाडांडी का निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों का वजन सत्यापन किया। इसके अलावा केन्द्रों में ई.सी.सी.ई. गतिविधि संचालन की स्थिति के बारे में जानकारी ली। साथ ही किचन गार्डन का अवलोकन किया। केंद्रों में बच्चों को दिए जा रहे नाश्ता और भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण भी किया। आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं को 3-6 वर्ष के छूटे हुए बच्चों का पोषण ट्रैकर पर पंजीयन के लिए निर्देशित किया गया। निरीक्षण के समय परियोजना अधिकारी सुश्री मनीषा तिवारी एवं पर्यवेक्षक भी उपस्थित रहीं।

थानमगांव में संकल्प से समाधान शिविर का एसडीएम ने किया निरीक्षण

मण्डला। तहसील निवास अंतर्गत ग्राम पंचायत थानमगांव में आयोजित संकल्प से समाधान शिविर का निरीक्षण किया गया। शिविर का निरीक्षण एसडीएम निवास सीएल वर्मा द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री वर्मा ने शिविर में प्राप्त आवेदनों की स्थिति, समस्याओं के निराकरण की प्रक्रिया एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

पदस्थ कर्मचारियों को नहीं मिल रही आवासीय सुविधा

एकलव्य में अनधिकृत कब्जे का आरोप

*** असुविधा को लेकर जांच की उठी मांग।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले के विकासखंड बिछिया अंतर्गत ग्राम सिझौरा में संचालित एकलव्य आवासीय विद्यालय परिसर में कर्मचारियों के लिए शासन द्वारा लगभग 40 आवासों की व्यवस्था की गई है। इन आवासों का उद्देश्य विद्यालय में पदस्थ प्राचार्य, व्याख्याता, शिक्षक, कर्मचारी एवं भृत्यों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि बाहर से आने वाले कर्मचारियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय परिसर के लगभग पांच से छह आवासों में ऐसे लोग निवास कर रहे हैं, जो वर्तमान में एकलव्य विद्यालय में पदस्थ नहीं हैं। इसके अलावा अतिथि शिक्षकों द्वारा भी इन आवासों का उपयोग किए जाने की जानकारी सामने आई है, जबकि विद्यालय में नियमित रूप से पदस्थ कई कर्मचारियों को आवास उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। मजबूरी में उन्हें बाहर किराए के मकानों में रहना पड़ रहा है।

बताया जा रहा है कि यह स्थिति शासन द्वारा निर्धारित नियमों के विपरीत है, क्योंकि आवासीय सुविधा केवल विद्यालय में वर्तमान में पदस्थ कर्मचारियों को ही दी जानी चाहिए, न कि अन्यत्र पदस्थ या अस्थायी कर्मचारियों को।

आवासों की हालत जर्जर, मरम्मत की दरकार

एकलव्य विद्यालय परिसर में बने अधिकांश आवास काफी पुराने हो चुके हैं। मरम्मत के अभाव में लगभग सभी आवासों की स्थिति जर्जर बताई जा रही है। कई आवासों में छत से पानी टपकने और जल निकासी की गंभीर समस्या बनी हुई है।

इस संबंध में विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि सभी आवासों की मरम्मत कराना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को लगातार पत्राचार किया जा रहा है। यदि शीघ्र मरम्मत संभव नहीं होती है, तो नए आवासों का निर्माण कराया जाना उचित होगा, जिससे बाहर से आने वाले कर्मचारियों को आवासीय सुविधा मिल सके।

जांच कर कार्रवाई की मांग

स्थानीय स्तर पर यह मांग जोर पकड़ रही है कि जिला प्रशासन इस पूरे मामले को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए त्वरित जांच कराए। यदि जांच में यह पाया जाता है कि विद्यालय परिसर के आवासों पर अनधिकृत कब्जा है, तो उन्हें तत्काल खाली कराकर पात्र कर्मचारियों को आवंटित किया जाए। साथ ही जो कर्मचारी अन्य जगह पदस्थ हैं और वे परिसर में निवास कर रहें हैं तो क्या वे कर्मचारी शासन से आवासीय भत्ता ले रहे हैं या नहीं जिसकी जांच की जाए।

इससे न केवल शासन के आदेशों का पालन सुनिश्चित होगा, बल्कि एकलव्य विद्यालय में पदस्थ कर्मचारियों एवं अधिकारियों को आवास संबंधी समस्याओं से भी राहत मिल सकेगी।

इनका कहना है

परिसर के आवासों में रह रहे अन्य कर्मचारियों से चर्चा हो चुकी है, जिन्होंने शीघ्र आवास खाली करने की सहमति दी है। विद्यालय परिसर के सभी आवास जर्जर स्थिति में हैं, जिससे कर्मचारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। आवासों की तकनीकी जांच कराकर आवश्यक मरम्मत कराए जाने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों को पत्राचार किया गया है।

-पूनम सिंघल, प्राचार्य, एकलव्य विद्यालय सिझौरा, बिछिया, मण्डला

किसानों की आय दोगुनी करना सरकार का संकल्प:मंत्री श्रीमती उईके

*** ई-टोकन एवं उर्वरक वितरण प्रणाली व्यवस्था कार्यशाला में शामिल हुई।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्यप्रदेश शासन द्वारा कृषि व्यवस्था को डिजिटल, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रदेश में 1 जनवरी 2026 से उर्वरक (खाद) वितरण के लिए ई-विकास प्रणाली को पूरे प्रदेश में प्रभावी रूप से लागू कर दिया गया है। इस नई व्यवस्था के सफल क्रियान्वयन के लिए पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस (आर.डी. कॉलेज) मण्डला में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती उईके ने कहा कि किसानों की आय को दोगुना करना सरकार का संकल्प है। किसानों को खाद के लिए अब कतार में नहीं लगना पड़ेगा। ई-वितरण प्रणाली के माध्यम से जहां एक ओर बिचौलियों से छुटकारा मिलेगा वहीं दूसरी ओर उर्वरक की कालाबाजारी पर पूरी तरह लगाम लगेगी। यह डिजिटल कदम किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

मंत्री श्रीमती उइके ने स्पष्ट किया कि इस प्रणाली का उद्देश्य उर्वरक वितरण को सुगम और भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है। किसानों को उर्वरक प्राप्त करने के लिए एक डिजिटल टोकन जारी किया जाएगा। इस टोकन में किसान की आवश्यकतानुसार खाद की मात्रा, वितरण केंद्र का नाम, तिथि और समय का स्पष्ट उल्लेख होगा। समय और स्थान पूर्व निर्धारित होने से केंद्रों पर अनावश्यक भीड़ नहीं लगेगी।

कार्यशाला में विशेषज्ञों ने जिले के उर्वरक विक्रेताओं और किसानों को इस नई तकनीक के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री भूपेंद्र वरकड़े, उपसंचालक कृषि श्री अश्वनी झरिया, अनुविभागीय अधिकारी कृषि मधुअली और कृषि स्थाई समिति के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पहले मंत्री श्रीमती उइके ने वीरांगना रानी दुर्गावती की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हे नमन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन अखिलेश उपाध्याय ने किया।

कलादीर्घा में जनजातीय शिल्पकार मेला आयोजित

मण्डलाा। कलेक्टर सोमेश मिश्रा शुक्रवार को भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ मर्यादित क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा आयोजित जनजातीय शिल्पकार नामिका मेले में पहुँचे। माहिष्मती घाट के कलादीर्घा प्रांगण में आयोजित किए गए इस मेले में मंडला जिले के विभिन्न अंचलों में जनजातीय समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई थी। कलेक्टर श्री मिश्रा ने भ्रमण कर जनजातीय शिल्पों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सहायक आयुक्त आदिवासी विकास तथा ट्राईफेड के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में जनजातीय समुदाय द्वारा बहुत ही उत्कृष्ट कलाकृतियाँ एवं उत्पाद तैयार किए जाते हैं। इसलिए जिले के सभी विकासखंडों में इसका सर्वे कराएं तथा उत्पादकों को उनके द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों की बिक्री में सहयोग करते हुए बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करें। इस दौरान एसी ट्राईबल श्रीमती वंदना गुप्ता सहित ट्राईफेड के अधिकारी मौजूद रहे।

राज्यसभा सांसद विवेक तंखा का नारायणगंज में भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

नारायणगंज के मैली चौराहा में राज्यसभा सांसद विवेक तंखा का नारायणगंज ब्लॉक के कांग्रेसियों के द्वारा एवं ग्रामवासियों के द्वारा भव्य स्वागत किया गया एवं राज्यसभा सांसद मंडला से वापस लोटते समय कुम्हा घाट नर्मदा जी में पूजा अर्चना की एवं घाट का शिलान्यास किया गया एवं विधायक चैन सिंह बरकड़े द्वारा 5 लाख की राशि घाट के निर्माण के लिए दी गई एवं कहा गया कि भविष्य में घाट के लिए और भी राशि उपलब्ध कराई जाएगी इस कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद विवेक तंखा विधायक चैन सिंह बरकड़े जिला अध्यक्ष अशोक मसकोले मगनलाल सोनी रघुनंदन विश्वकर्मा संदीप सोनी जिला पंचायत सदस्य भूपेंद्र वरकड़े विपिन रामकुमार सोनी विपिन छत्रपाल सोनी नरेश सोनी हिरदेश साहू रितेश सोनी रुपेश अग्रवाल राजकुमार तेकाम अखिलेश मरावी दीपचंद साहू एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे आपको बता दें कि नारायणगंज क्षेत्र में कुम्हा घाट का अलग ही महत्व है यहां नर्मदा जयंती एवं मकर संक्रांति पर भव्य मेला भरता है जहां जिले के हर जनपद से लोग यहां नर्मदा मां के दर्शन को आते है यह घाट निर्माण से यहां और भी सुविधाएं भक्तों को मिलेगी।

आयोजन | **समाज को प्रगति के रास्ते पर ले जाने के लिए मानवता का भाव सर्वोपरि-श्रीमती संपतिया उइके।**

रोटरी का लक्ष्य पीड़ित मानवता की सेवा

*** झंकार भवन में हुआ आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

समाज की उन्नति के लिए सभी को समन्वित प्रयास करने की जरूरत होती है। समाज को प्रगति के रास्ते पर ले जाने के लिए मानवता का भाव सर्वोपरि होना चाहिए। रोटरी क्लब मंडला मेकल वर्ष 2010 से ही इसके लिए लगातार प्रयासरत है। क्लब के सभी सदस्य और पदाधिकारी का सेवाभाव सराहनीय है। यह उद्गार प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने रोटरी क्लब मंडला मेकल के पदस्थापना समारोह के दौरान व्यक्त किए।

मंत्री श्रीमती उइके ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज मंच से जिले के प्रतिभाशाली बच्चों तथा खेल के क्षेत्र में नाम कमाने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करना हमारे लिए गौरव का विषय है। जनजातीय क्षेत्र के हमारे बच्चे एवं युवा खेल की विभिन्न विधाओं में देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले में शीघ्र ही 7 करोड़ रूपए की लागत से खेल मैदान विकसित किया जायेगा जो जिले की खेल प्रतिभाओं को निखारने में मील का पत्थर साबित होगा। मंत्री श्रीमती उइके ने बताया कि रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष तथा सदस्यों ने मिलकर समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य किया है। हम आशा करते हैं कि आगे भी नए पदाधिकारी समाजसेवा के इसी भाव को और भी विस्तार देंगे।

राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि रोटरी क्लब के माध्यम से पिछले डेढ़ दशक में हम समाज की आवश्यकताओं को चिन्हित करते हुए उन्हें आंशिक रूप से पूरा करने में सफल हुए हैं। रोटरी का लक्ष्य पीड़ित मानवता की सेवा है। वर्ष 2010 में रोटरी क्लब मंडला मेकल के गठन के समय रोटरी राहत स्वास्थ्य शिविर से शुरू हुआ यह सफर लगातार बढ़ रहा है। 2019 में पुनः रोटरी राहत स्वास्थ्य शिविर 2.0 के जरिए हजारों की तादाद में मरीजों का चिन्हांकन एवं उपचार संभव हो पाया था।

सांसद श्री तन्खा ने कहा कि समाजसेवा के लिए लगातार समाज की जरूरतों को चिन्हित करना और उनके लिए प्रयास करना आवश्यक है। शिक्षा और स्वास्थ्य जीवन के दो महत्वपूर्ण घटक होते हैं। इन दोनों आधारभूत व्यवस्थाओं के लिए हर स्तर पर प्रयास जरूरी है।

स्मारोह में रोटरी क्लब मंडला मेकल तथा रोटरी क्लब नैनपुर जंक्शन के नए पदाधिकारियों को पदभार ग्रहण कराया और नए सदस्यों ने भी सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, पूर्व विधायक अशोक मर्सकोले, जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष सोनू भलावी, प्रफुल्ल मिश्रा, प्रसन्न सराफ, सुरेन्द्र चौधरी, मुकेश जैन, श्रीमती गीता कालपीवार सहित रोटरी क्लब के सदस्यगण एवं महाविद्यालय के विधि संकाय के विद्यार्थी मौजूद रहे।

बोलेरो की टक्कर से ऑटो सवार की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

साप्ताहिक बाजार आ रहे सवारी ऑटो को बोलेरो चालक ने ओवरटेक करते वक्त ठोकर मार दी जिससे ऑटो में बैठे भागीरथ सिंह बरकड़े 63 वर्ष के सर में गंभीर चोट लगने से मौके पर मृत्यु हो गई, वहीं अज्ञात बोलेरो वाहन फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों अनुसार ऑटो चालक जबलपुर रोड़ हथितारा रैयत से सवारी लेकर निवास आ रहा था तभी साहू मोहल्ले के पास पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने लापरवाही पूर्वक ऑटो को टक्कर मार दिया। राहगीरों व कुछ परिचितों ने घायल को निवास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया जहाँ घायल को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

उक्त घटना से आक्रोशित परिजनों का आरोप है कि बाजार के दिन सुबह से देर रात्रि तक बेलगाम वाहन दौड़ते हैं लेकिन स्थानीय पुलिस ऐसे वाहन चालकों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं करती जिससे आये दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। घर से निवास बाजार आ रहा था मृतक के बड़े भाई प्रीतम बरकड़े रिटायर्ड (शिक्षक) हैं। निवास पुलिस मामले को पंजीबद्ध कर वाहन तलाशने में जुट गई है।

कोटे से कई क्विंटल चावल ले उड़े चोर

निवास। निवास क्षेत्र में एक बार फिर चोरी की वारदात घटित हुई है, बीती दरमियानी रात निवास जनपद की ग्राम पंचायत मोहपानी स्थित शासकीय राशन दुकान से 98 बोरी लगभग 50 क्विंटल चावल की चोरी की गई है। मामले की जानकारी शुक्रवार सुबह ग्रामीणों द्वारा देखने के बाद 112 पर दी गई, पंचायत के सरपंच आदि का कहना है कि निवास पुलिस को सूचना देने के बाद काफी देर से पहुँची। वहीं पुलिस मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लगी है।

न्यायालय तहसीलदार तहसील बिछिया जिला मण्डला (म.प्र.)

क्रमांक/07/तह./प्रवा. /2026
बिछिया दिनांक :- 16.01.2026

प्रति,
श्री विराट दुबे पिता दयाराम दुबे
निवासी - 505 बजरंग नगर इंदौर म.प्र.

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि आपके द्वारा आवेदन पत्र पेश किया गया है कि ग्राम बिछिया प.ह.नं. 46 रा.नि.म. बिछिया में स्थित भूमि खसरा नं. 16 / 1, 28/4, 153 / 9, 178/4, 178/5 रकबा 2.734, 0.230, 0.121, 0.040, 0.040 है. भूमि राजस्व अभिलेख में दयाराम दुबे पिता परसराम जाति ब्राम्हण के नाम से भूमिस्वामी हक में दर्ज है । आवेदित भूमि को वसीयतकर्ता द्वारा दिनांक 17.01.2024 को वसीयत ग्रहीता अपने पुत्र विराट दुबे के पक्ष में वसीयत निष्पादित करने से वसीयतकर्ता के मृत्यु उपरांत वसीयत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है, परंतु आवेदित भूमि के हितबद्ध पक्षकार भूमि ग्राम में निवासरत नही है । चूंकि प्रकरण में पूर्व में इश्तहार प्रकाशन किया जा चुका है । अतः प्रकरण में जारी इश्तहार आज दिनांक 16.01.2026 से 15 दिवस के भीतर न्यायालय में उपस्थित होकर दावे आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु दो स्थानीय समाचार पत्र में इश्तहार का प्रकाशन कर प्रकरण में नियत दिनांक 30.01.2025 को समाचार पत्र की एक प्रति प्रकरण में संलग्न करना सुनिश्चित करे ।

तहसीलदार
बिछिया

खबर संक्षेप

लक्ष्मी जी की कृपा से सही हो जाता है आडिट, कमीशन का यह खेल चल रहा है अनेक कार्यालयों में

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शासकीय व्यवस्था है कि सरकार स्वयं सभी विभागों के कामकाज पर आसानी से नजर नही रख सकती इसके लिए यह व्यवस्था बनायी गयी कि साल में एक या दो बार शासन के द्वारा नामित संस्था के व्यक्तियों द्वारा इन शासकीय विभागों के कामकाज का ब्यौरा लिया जाये तथा संस्था के जो अधिकारी विभागों के काम काज संभाले हुए है उनके दस्तावेज एवं महत्वपूर्ण फाइलों की जांच करते है वे चार्टर एकाउटेंड होते है जिन पर सरकार को विश्वास होता है कि वे छोटी से छोटी गलती एवं बहुत ही चालकी से की गयी बड़ी से बडी गडबड़ियों को आसानी से पकड लेगे और इन सभी कार्यो का विस्तृत ब्यौरा से सरकार को अपने अधिकारियों के माध्यम से भेजते है। जिसके चलते शासकीय विभागों में ये ऑडीटर ऑडिट हेतु जाते है, मगर देखा जाता है कि वहां पर उनकी आव भगत किसी राजसी मेहमान से कम नही होती है जिसके चलते अक्सर शासकीय कार्यालयों में आँडिट करने पहुंचने वाले इन अधिकारियों को उन शासकीय कार्यालयों के प्रमुखों द्वारा अच्छी से अच्छी होटलों में ठहराया जाता है तथा ऊंची कीमत के पेन से लेकर उपयोग की सभी उच्च स्तरीय की सामग्री उपलब्ध करायी जाती है तथा खान पान तो वैसे भी लक्जरी होता है और इनके शौक को देखते हुये हर तरह की व्यवस्था संपादित की जाती है तब कहीं जाकर ये विभाग के कर्मचारियों पर खुश होते हुए वह भी उनकी कमिशन बाजी में शामिल हो जाते है? इस प्रकार की सच्चाई को लेकर लोगों का कहना है कि विभाग के अधिकारी, कर्मचारी इतनी सब व्यवस्थाएं इसलिए करवाते है कि उनके द्वारा किये गये अनेतिक कार्यो को ये नजर अंदाज कर इनके पक्ष मे रिपोर्ट पेश कर सके? इन सकारात्मक रिपोर्ट के लिए नगद राशि एवं बहु मूल्य उपहारों का भी जमकर लेन देन होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? इस प्रकार से नीचे से लेकर ऊपर चल रही शासकीय व्यवस्थाओं के चलते भी लोग अच्छे दिन आने का अहसास कैसे कर पायेगे?

बेकारी से तंग आ चुके युवा, आजीविका चलाने शासकीय भूमि देने की उठा रहे मॉग

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शहर में शैक्षाणिक संस्थाओं का जाल बिछाने से युवा शिक्षित तो हो रहे है किन्तु उन्हे मिलने वाली डिग्रियॉ नगर में रोजगार के अवसर कम होने से बेमानी साबित हो रही है, उल्लेखनीय है कि शासकीय नौकरियो का टोटा होने से शिक्षित बेरोजगार स्थानीय स्तर पर नौकरी तलाशत हुये भटक रहे हैं पर उन्हे क्षेत्र की फैक्ट्रियो में भी कथित कोटे के अनुसार नौकरियॉ नही मिल पा रही है, इस हालत में उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय प्रतीत हो रहा है, बेकारी से तंग अनेक युवाओं ने बताया कि उनमें काम करने जज्बा, ताकत भी है पर नौकरी न रहने से वे अपने परिवार को आर्थिक सहारा नहीं दे पा रहे है, वक्त के पहलें उनकी खुशिया छिन गयी है तथा एक तरह से वे अपने परिवार पर बोझ बनकर रह गए है, उन्होने बताया कि म.प्र.सरकार की मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत कई नौजवानो के बैंको से आर्थिक सहायता लेने के जो फार्म भरे थे, उनके आधार पर बैंकों से उन्हे ऋण देने में आनाकानी की जा रही है। जिसका नतीजा है कि उन्हे बेवजह मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत ऋण लेने के लिए शासकीय कार्यालयों की परिक्रमा लगाने मजबूर होना पड़ रहा है, बेकार युवाओं का दर्द है कि कई विभागों में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियो की ओवरप्लो बाढ़ हो गयी है। जिसके चलते अब लोग भी नौजवानो को दैनिक भोगी कर्मचारी नियुक्त कराने से कतराने लगे है। ऐसी स्थिति में सिर्फ शहर के शिक्षित बेराजगारो के सामने वर्तमान में यह विकल्प बाकी रह गया है कि उनके द्वारा छोटी दुकाने खोल अपनी जीविका चलाते हुए अपने बूढ़े माता पिता, भाई, बहिनों को सहारा देकर सम्मान से जीवन बिताया जाए,लेकिन युवाओं की बदनसीबी है कि शहर में व्यापक पैमाने पर शासकीय भूमि या तो अतिक्रमण की भेंट चढ़ी हुई है ।

रात के समय सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ोत्तरी कर रहे वाहनों में लगे हुये नियम विरूद्व अतिरिक्त सफेद रोशनी वाली लाईट

चैकिंग के दौरान वाहनों मालिको की मनमानी को नजर अंदाज करना पड़ रहा भारी...

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

निश्चित तौर से आये दिन जिला से लेकर स्थानीय अधिकारियों को जहां तहां पाइंट लगाते हुये वाहन चैकिंग करते हुये तो देखा जाता है। मगर इस तरह होने वाले चैकिंग अभियानों के दौरान अधिकारियों द्वारा क्या चैक किया जाता है यह समझ से परे होने से नही चूक पा रहा है..? क्योकि जिस तरह वाहनों में नियम विरूद्व लाईट लगे हुये देखे जा रहे है वह आमजन की जिन्दगी को खतरे में डालने से नही चूक रहे है। इस सच्चाई को मीडिया द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी अधिकारियों को इस सच्चाई को नजर अंदाज किया जाना वाहनों के खिलाफ किये जाने वाली चैकिंग मुहिम अपने आप ही औपचारिकता पूर्ण दिखाई देने से नही चूक पा रही है...? क्योंकि सच्चाई पर नजर डाली जावे तो जिस प्रकार से शाम होते ही सड़को पर आमजन को अपने छोटे वाहन चलाने की बात तो दूर पैदल निकलना भी मुश्किल होने से नही चूक पा रही है। हालत यह बन रहे है कि लोगों को वाहनों में लगाये जा रहे सफेद लाईटो के सामने पड़ते हुये दिखाई देना बंद हो जाता है। यही कारण सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ावा देने से नही चूक पा रहा है। हालत इस तरह देखने मिल रहे है कि दो पहिया से लेकर चार पहिया वाहनों में जिस तरह सफेद लाईटों की भरमार बना रखी है वह अब आमजन के लिये भारी पड़ने से नही चूक पा रही है। क्योंकि जहां एक ओर कंपनियों द्वारा खुद ही वाहनों में सफेद तेज रोशनी वाले लाईट लगाना शुरू कर दिया गया है। मगर इसके बाद भी वाहन जिस तरह मालिकों द्वारा अपने अतिरिक्त लाईट लगाये जा रहे है वह आमजन की जिन्दगी को खतरे में डालने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। सच्चाई पर गौर किया जावे तो रात के समय घटित होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को मुख्य कारण वाहनों में अतिरिक्त रूप से लगे हुये यह सफेद रोशनी वाले लाईट कारण बनने से नही चूक पा रहे है..? क्योंकि वाहनों में जिस प्रकार से एलईडी लाईट लगाये जा रहे है उसके चलते हाल यह बना हुआ है कि यदि रात के समय इन वाहनों के सामने कोई व्यक्ति आ जाता है तो उसकी आंखों पर लाईट पड़ते ही सामने कुछ दिखाई नही देता है और सामने वालो छोटे वाहन का चालक जहां का तहां खड़ा रहता है और दुर्घटना का शिकार बनने से नही चूक पाता है। इसी प्रकार की सच्चाई इस प्रकार से आये दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में देखने मिल रही है। बीते हुये दिनों पहले नगर में घटित हुई घटना के दौरान मोटर साईकिल चालक ने बताया कि जब वह पलोटन गंज के ओर जा रहा था और सामने से आ रहे आटों में तेज रोशनी वाले अतिरिक्त रूप में लगे हुये एलईडी लाईटों के चलते उसे कुछ नही दिख रहा था जिसके चलते उसने अपनी गाड़ी को वही रोक ली और आटों चालक ने सामने से टक्कर मारते हुये घायल कर दिया गया। इस तरह लोगों द्वारा अपने वाहनों में अपना शौंक पूरा करने के लिये मनमानी करते हुये जिस तरह नियम विरूद्व लगाये गये अतिरिक्त लाईट आमजनता के साथ साथ पशुओं के लिये भी खतरा बनने से नही चूक रहे है। मनमाने तौर से लोगों द्वारा अपने वाहनों में अतिरिक्त लाईटों की भरमार करने में रात के समय दौड़ने वाले आटों में सबसे अधिक देखी जा रही है। हाल यह बना हुआ है कि एक आटों में आधा आधा दर्जन लाईट लगे हुये है जो प्रतिदिन रात के समय शहर की सड़को से लेकर पुलिस थाने के सामने से गुजरने से नही चूकते है। मगर इसके बाद भी इनके खिलाफ किसी भी प्रकार से कोई कार्यवाही न होने से इनके हौसले बुलंद होते चले जा रहे है। यह बात अलग है कि कुछ माह पहले स्थानीय स्तर पर पुलिस द्वारा इस तरह अतिरिक्त लाईटों वाले आटों के खिलाफ कार्यवाही शुरू की गई थी जिससे कुछ हद तक अंकुश लगते हुये दिखाई देने लगा था। मगर इसके बाद कार्यवाही में शिथलता होने के चलते आटों चालक सहित अन्य वाहनों मालिकों के हौसले पुनः बुलंदियों में नजर आने लगे है। यह बात अलग है कि शासन प्रशासन आये दिन घटित होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिये लगातार प्रयास करते हुये देखी जा रही है। मगर इसके बाद भी रात के समय घटित होने वाली सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण यही है कि वाहनों में लगाये जाने वाली सफेद लाईटों के चलते यह घटनाये घटित होना आम बात हो चली है। मगर वाहन चैकिंग के दौरार परिवहन विभाग से लेकर पिलस द्वारा इस सच्चाई को नजर अंदाज किया जाना सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है..? आमजन का कहना है कि यदि सड़क दुर्घटनाओं पर कमी लाना है कि वाहनों में लगने वाली इन सफेद लाईटों पर अंकुश लगने की जरूरत है। यह बात अलग है कि जिन वाहनों में कंपनी द्वारा लाईट लगाये गये है उन्हें तो निकलवाना संभव नही है। मगर उन लाईटों को तो निकलवाया जा सकता है जो वाहन मलिकों द्वारा अपने वाहनों में अतिरिक्त रूप से मनमानी करते हुये लगाये जा रहे है..?

आज सिवनी मालवा व प्रयागराज के बीच होगा मुकाबला

सेमी फाईनल मुकाबले में दिल्ली टीम ने मथुरा को सात विकेट से पराजित कर फाईनल में किया प्रवेश

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर के पुराने कालेज खेल मैदान पर आयोजित हो रही अखिल भारतीय लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता चेम्पियन ट्राफी 2026 में कल शुक्रवार को पहला सेमीफाइनल मैच उत्तर प्रदेश मथुरा व दिल्ली टीमों के बीच खेला गया। इस मैच में दिल्ली टीम द्वारा मथुरा को सात विकेट से पराजित करते हुये फाईनल में अपनी जगह बना ली गई है। खेल के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सुबह 10 बजे अतिथियों द्वारा टांस उछला गया तो टांस जीतकर दिल्ली टीम के कप्तान द्वारा पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लेते हुये मथुराटीम को बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किया गया था। इस तरह सेमीफाईनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुये मथुरा उत्तर प्रदेश की टीम द्वारा अपने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 158 रन बनाये गये थें। इस प्रकार से मथुरा टीम की ओर से बल्लेबाज गौरव कुमार ने 10 वॉल में 6 रन, राहुल जैक्सन ने 21 गेंद पर 3 सिक्स व 2 चौकों की मदद 34 रन बनाये, वही कन्हैया ने 27 बाल 32 रन तो सूरज ने 8 बाल 10 रन, वही हरभजन 12 गेंदो का सामना करते हुये 23 रन तथा विनय ने 35 गेंदो में 21 रन बनाते हुये मथुरा टीम का कुल स्कोर 158 रन रहा। दिल्ली टीम द्वारा अपने गेंद बाजी के दौरान कुलदीप ने 4 ओवर 35 रन देकर 2 विकेट लिये, वही निखिल ने 4 ओवर 25 रन देकर 3 विकेट तथा दीपेंद्र 4 ओवर 23 रन देते हुये विकेट लेने में सफल नही हुये। इसी प्रकार से प्रियांशु 4 ओवर 52 दिये तथा कप्तान विनायक ने 4 ओवर 18 रन देकर 2 विकेट लिए । इस तरह दूसरी पारी में मैदान पर मथुरा टीम द्वारा दिल्ली को जीत के लिये दिये गये 159 रनों के लक्ष्य का पीछ करने के लिये मैदान पर उतरी तो निखिल ने 10 बॉल में 7 रन बनाये तथा आयुष ने शानदार बल्ले बाजी करते हुये 42 गेंदो का सामना करते हुये 3 सिक्स व 6 चौकों की मदद से 66 रनों का अपनी टीम के लिये योगदान दिया। इसी प्रकार से दीपेश ने 23 गेंदो में 2 सिक्स व 4 चौको की मदद से 45 रन बनाये। वही कप्तान विनायक ने 4 गेंदो में 7 रन बनाते हुये 17 वे ओवर में लक्ष्य को पूरा करते हुये इस सेमीफाईनल मुकाबले को मथुरा टीम से सात विकेट से जीतकर फाईनल में प्रवेश कर लिया गया। इस प्रकार से मैच के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे हुये पूर्व नगर पालिका राजेंद्र साहू, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष कमल खटीक, अधिवक्ता राजेंद्र सिंह ठाकुर, प्रवीण श्रीवास्तव, सुजीत दुबे, महेंद्र त्रिपाठी, अभिलाष दुबे, संजीव कटारे, पूर्व क्रिकेटर नवनीत पलोड़, समाज सेवी व क्रिकेट प्रेमी महेंद्र पटेल, शिक्षक मधुसूदन पटेल ने इस मैच में अपने खेल का शानदार प्रदर्शन करने वाले दिल्ली टीम के आयुष को मैन आफ द मैच का पुरूस्कार प्रदान करते हुये सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि आयुष ने अपनी बल्लेबाजी के दौरान 66 रन बनाये गये थें। वही प्रतियोगिता में पूल बी को पहला लीक मैच आज प्रयागराज उत्तर प्रदेश तथा सिवनी मालवा मध्य प्रदेश के बीच खेला जावेगा।

ग्राम ढिंगसरा में राज्य स्तरीय चौपड प्रतियोगिता का शुभारंभ क्षेत्र के सांसद व उद्योगपति महेश्वरी द्वारा पांसे फेंकते हुये किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। निश्चित तौर से हर खेल का खिलाड़ियों के लिये मनमोहन बनने से नही चूकता है। इसी प्रकार से चौपड़ प्रतियोगिता खेल भी इसके शौकिनों के लिये अलग ही स्थान रखता है। इसी का परिणाम है कि आये दिन जहां तहां चौपड़ प्रतियोगिताओं के आयोजन होते हुये देखे जाते है। इसी प्रकार से समीपस्थ ग्राम ढिंगसरा में आयोजित की जा रही राज्य स्तरीय चौपड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ बीते हुये दिवस क्षेत्र के सांसद चौधरी दर्शन सिंह तथा दूसरी ओर क्षेत्र के उद्योग पति विनित महेश्वरी द्वारा फांसे उछालते हुये प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। ज्ञात हो कि चौपड़ प्रतियोगिता का आयोजन एक अनोखा खेल होता है। क्योंकि इस खेल की परंपरागत वर्षो पुराने होने के साथ साथ पुरातन खेलों में शामिल मानी जाती है। क्योंकि इस खेल के माध्यम से लोगों में समन्वयता एकता और एक दूसरे के साथ सीखने मिलता है। आयोजित किये जा रहे राज्य स्तरीय चौपड़ प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र के सांसद चौधरी दर्शन सिंह, उद्योगपति विनित महेश्वरी के आलवा मोहरकांत पटैल, कीरत सिंह पटैल दादा भैया, निरंजन पटेल, राहुल कौरव धहलवाडा, जय नारायन पटेल, महेंद्र तोमर आडेगाव सहित अन्य लोग मौजूद थे। बताया जाता है कि इस प्रतियोगिता में लगभग 90 टीमे भाग लेने की संभावना बताई जा रही है।

अलग अलग स्थानों से जप्त की गई अवैध शराब के साथ नष्ट किया गया महुआ लाइन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शराब के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिये पुलिस द्वारा तो जहां लगातार मुहिम चलाई जा रही है। वही दूसरी ओर बीते हुये दिनों जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशों के परिपालन में और जिला आबकारी अधिकारी बृजेन्द्र कोरी के मार्गदर्शन में बीते हुये गुरूवार को आबकारी विभाग द्वारा गाडरवारा वृत्त के अंतर्गत अलग- अलग स्थानों से महुआ लाहन व हाथ भट्टी मदिरा बरामद करते हुये आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार जिला आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा धारण एवं संग्रहण की सूचना पर वृत्त गाडरवारा के अलग- अलग स्थानों से 4 हजार 275 किलोग्राम महुआ लाहन व 24 लीटर हाथ भट्टी मदिरा बरामद की गई। मप्र आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधित 2000) की धारा 34(1) क एवं (च) के तहत 7 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। कार्रवाई के दौरान सहायक जिला आबकारी बीएल उइके, रविन्द्र जैन, आबकारी उप निरीक्षक सतीश कुमार, परि. आबकारी उप निरीक्षक आकांक्षा धनोतिया, आबकारी मुख्य आरक्षक सदर सिंह बरकड़े सहित आबकारी विभाग के आरक्षक, महिला आरक्षक और नगर सैनिक मौजूद थे।

द्वितीय चरण की 2 दिवसीय ओलम्पियाड परीक्षाओं का हुआ शुंभारभ

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशों के परिपालन में क्षेत्र के साईंखेड़ा एवं चीचली ब्लॉक के जनपद शिक्षा केंद्र के परीक्षा केन्द्रो पर द्वितीय चरण (जिला स्तर)की 2 दिवसीय ओलंपियाड परीक्षा के प्रथम दिवस की परीक्षाओ का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि इस परीक्षा में जन शिक्षा केंद्र पर प्रथम चरण की ओलम्पियाड परीक्षा में सफल शासकीय शालाओं के चयनित कक्षा दूसरी से तीसरी तथा कक्षा चौथी से पांचवी एवं कक्षा छठवीं से आठवीं तक अध्ययनरत छात्र छात्राएं सहभागिता कर रहे है। इस परीक्षा के लिए साईंखेडा ब्लॉक के केंद्र शासकीय आदर्श उ मा विद्यालय गाडरवारा एवं चीचली ब्लॉक के केंद्र शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय चीचली को बनाया गया है। इस तरह प्रथम दिन इस परीक्षा में कक्षा 2 से 3 एवं कक्षा 6 से 8 वी तक के छात्र छात्राओं ने सुबह 10 से 11:30 तथा दोपहर 12 से 1:30 एवं दोपहर 2 बजे से 3:30 तक की पालियों में हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित के पेपर ओएमआर शीट पर हल किये। बताया जाता है कि परीक्षा केन्द्रो तक विद्यार्थियों को लाने व वापिस घर छोड़ने के लिए दूरस्थ जनशिक्षा केन्द्रो के लिए बसों की व्यवस्था की गई थी। केन्द्रो पर विद्यार्थियों के लिए भोजन के पेकिट भी प्रदान किये गये। वही नगर के आदर्श स्कूल में बनाये गये केंद्र पर प्राचार्य एस के मिश्रा एवं बीआरसी संदीप स्थापक ने सहभागी विद्यार्थियों को राज्य शिक्षा केंद्र से प्राप्त प्रमाण पत्र भेंट किये। इसी प्रकार से चीचली विकासखंड में परीक्षा का निरीक्षण बीआरसी डी के पटेल ने किया। उल्लेखनीय है कि उक्त परीक्षा केंद्र अध्यक्ष आदर्श स्कूल आर पी महिलांग एवं उत्कृष्ट चीचली प्राचार्य भूपेश ठाकुर के निर्देशन में पर्यवेक्षकों के सहयोग से जारी है। परीक्षा की व्यवस्थाओ के संचालन में समस्त बीएसी एवं सीएसी का सहयोग मिल रहा है। आज 17 जनवरी को कक्षा 4 से 5 एवं कक्षा 6 से 8 वी तक के छात्र छात्राओं के लिए शेष विषयों की परीक्षा सुबह 10 से शाम 5:15 तक अलग अलग पालियों में आयोजित की जाएगी।

नगर के अंदर संचालित हो रही अंडा दुकानों से बिगड़ रहा माहौल, शराबखोरी करने वालों का लगा रहता है जमावड़ा

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। इस समय जिस प्रकार से शराब खोरी करने वाले लोगों से आमजन को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है, उसके चलते नगर की कानून व्यवस्था पूर्णरूप से पटरी पर उतरते हुए देखी जा रही है। इस सब का प्रमुख कारण मात्र एक ही देखा जा रहा है कि नगर के अंदर संचालित होने वाली पान दुकानों के चलते एक ओर नगर का वातावरण प्रदूषित होने से नही बच पा रहा है। वही दूसरी ओर इन अंडा दुकानों पर शाम होते हुए जिस प्रकार से शराब खोरी करने वाले लोगों का जमावाड़ा लग जाता है जिसके चलते आम लोगों मुख्य मार्गो से शाम के वक्त महिलाओं का निकलना मुश्किल हो जाता है? क्योंकि नगर में जहां तहां लगी हुई इन अंडा दुकानों व खुलेआम बाजार में होने वाली शराब खोरी के चलते स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि शराब के नशे में मस्त लोगों द्वारा जिस प्रकार से अप शब्दों का उपयोग किया जाता है उसके चलते यहां पर रहवास करने वाले लोगों का रहना मुश्किल हो रहा है। वही दूसरी ओर महिलाओं का अपने घरों से निकला तो पूर्णरूप से दूभर हो चुका है? इतना ही नही इन अंडा दुकानों के चलते लोगों की धार्मिक भावनाओं को भी ठेंस पहुंचते हुए देखी जा रही है? क्योंकि नगर में इन अंडा दुकानों को लगाने वालों द्वारा न तो धार्मिक स्थलों का ध्यान रखा जा रहा है और न ही रहवासी मकानों का जिसके चलते मार्गो पर मनमर्जी के साथ स्थापित की गई इन अंडा दुकानों के चलते सार्वनिजक मार्गो से शाम होते ही महिलाओं का निकलना मुश्किल हो जाता है। यदि कोई महिला को मजबूरीबस निकलना भी पड़ता है तो अंडा दुकानों के आस पास मड़राने वाले शराबियों की छीटाकशी का शिकार होकर अपमानित होते हुए देखा जाता है। इस सच्चाई की ओर न तो पुलिस प्रशासन द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही उन लोगों द्वारा जो नगर की जनता की सेवा करने का पूरा भरोसा दिलाने से नही चूकते है, इस प्रकार से नगर की लगातार बिगड़ रही कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नगरवासियों द्वारा जहां तहां रहवासी क्षेत्रों में संचालित होने वाली अंडा दुकानों पर अंकुश लगाये जाने की मांग की जा रही है।

चीचली क्षेत्र में कागजों के भरोसे चलते हुए नजर आ रही आंगनवाडी संबंधित योजनाएं

हरिभूमि न्यूज/चीचली। शहरों के साथ साथ सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं व बच्चों को अनेक प्रकार के लाभ देने के उद्धेश्य से करोड़ो रूपया खर्च आगंनवाड़ी केन्द्रो की स्थाना की गई है,मगर देखनें में आता है कि ग्रामीण अंचलों मे संचालित आंगनबाडियों का फायदा महिलाओं व बच्चों को मिलते हुये शायद ही कही दिखाई दे पा रहा हो..? जबकि महिला बाल विभाग के माध्यम से संचालित होने वाले इन योजनाएं के नाम पर सरकार द्वारा प्रति वर्ष करोडो रूपए खर्च कर जन हितैषी योजनाए बनाती है मगर वह योजनाएं मात्र कागजो तक ही सीमित होने के चलते शासन की राशि बर्बाद ही होते हुए दिखाई देने लगी है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत अनेक गांवों में संचालित होने वाले आंगनवाड़ी केन्द्रो में आसानी से देखने मिली सकती है? बताया जाता है कि क्षेत्र के अनेक आंगनबाडियों में मासूम बच्चों को न तो पौष्टिक आहार मिल पा रहा है और न पढाई की सुविधा मिल रही है। वही दूसरी ओर गर्भवती महिलाओं को इन केन्द्रों से समय समय पर जो लाभ मिलना चाहिए था वही भी कोसो दूर दिखाई देने के साथ साथ मात्र कागजों पर चलते हुये देखने मिल रहा है..? जबकि केन्द्रों के कागजों के हिसाब से देखा जावे तो उनकी खाना पूर्ति पूर्ण रूप से होती रहती है, जिसके चलते ग्रामीणों का आरोप है कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी, केंद्र प्रभारियों की सांठ गांठ से फर्जी बिल,आंकडे तैयार कर प्रतिवर्ष लाखों रूपए गोलमाल होना आम चर्चा बन चुका है..?

नाबालिग दौड़ा रहे हैं गन्ना से भरी हुई ट्रेक्टर ट्राली, कैसे सुधर पायेगी यातायात व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय क्षेत्र में आये दिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्धेश्य से पुलिस द्वारा जिस प्रकार से आये दिन जहां तहां अपना तम्बू लगाते हुए छोटे वाहनों की जांच करते हुए उन्हें यातायात नियमों का पाठ पढ़ाते हुए जिस प्रकार से चलानी कार्यवाही की जा रही है? मगर वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो क्षेत्र में अनेक वाहनों को इस प्रकार के नाबांलिक बच्चों को चलाते हुए देखा जाता है कि जो वाहन रोकने के लिए वाहन के ब्रेको तक अपने पैर तक नही पहुंचा पाते है। मगर इसके खिलाफ पुलिस द्वारा कार्यवाही करने में सफल नही होने के कारण जहां पुलिस द्वारा चलाये जाने वाले यातायात सुधार अभियान पर सबाल खड़े होने से नही चूक पा रहे है? वही दूसरी ओर इन नाबांलिको के वाहन चलाने के कारण आम लोगों की जिन्दगी को भी खुलेआम खतरा पैदा होता हुआ जान पड़ रहा है? जबकि गौर किया जावे तो गन्ना ढोने वाले वाहनों से क्षेत्र के अनेको जगह होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के चलते लोगों की जाने चली जाती है। मगर पता नही कि प्रशासन इन गन्ना ढोने वाले वाहन चालको पर क्यों मेहरवान होते हुए लोगों की जिन्दगी के साथ खुली खिलबाड़ करने की छूट प्रदान किये हुए है। क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि क्षेत्र की शुगर मिलों में लगी हुई गन्ना ढोने वाली ट्राली जहां नियम विरूद्ध एक ट्रेक्टर में डबल डबल ट्राली लगाते हुए परिवहन करते हुए देखी जाती है और कभी कभी तो स्थिति इस प्रकार से भी देखने मिली है कि इन गन्ना से भरी हुई ट्रालियों को इस प्रकार के नाबांलिक चलाते हुए देखे जाते है जिनके ब्रेक तक पैर भी नही पूजते है। इस बात की सच्चाई विगत दिवस उस समय देखने मिली जब एक नाबांलिक किशोर गन्ने से भरी हुई ट्रेक्टर ट्राली को ले जाते हुए देखा गया। इस बच्चे को ट्रेक्टर चलाते हुए देखकर जहां अनेक लोग हैरत में पड़ गये वही पुलिस प्रशासन द्वारा आये दिन चलाये जाने वाले यातायात सुधार अभियान पर भी सबाल खड़े करते हुए देखे गये।

खबर संक्षेप

डेढ़ महीने से लापता अधेड़ की जंगल में फांसी पर लटकी मिली लाश, मौके पर हुआ पोस्टमार्टम

शहपुरा- शहपुरा थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां डेढ़ महीने से गुमशुदा अधेड़ व्यक्ति का शव जंगल में फांसी के फंदे पर लटका मिला। मृतक की पहचान संग्रामपुर निवासी अधेड़ युवक के रूप में हुई है, जो करीब डेढ़ महीने पहले घर से लापता हो गया था।परिजनों द्वारा लगातार तलाश के बावजूद जब युवक का कोई सुराग नहीं मिला, तब शहपुरा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। ग्रामीणों ने जंगल क्षेत्र में पेड़ से लटका एक शव देखा, जिसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि शव पूरी तरह सड़-गल चुका था। शव की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने डॉक्टरों की टीम को मौके पर बुलाकर वहीं पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।फिलहाल पुलिस आत्महत्या और अन्य पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

खरमेर मध्यम परियोजना प्रस्तावित बांध निर्माण में अधिग्रहीत भूमि का नहीं मिला मुआवजा

डिंडौरी। खरमेर मध्यम परियोजना अण्डई समनापुर में प्रस्तावित बांध निर्माण में अधिग्रहीत की गई भूमि का किसान को मुआवजा नहीं मिला किसान ने विगत दिन कलेक्टर कार्यालय में आवेदन देकर मुआवजा राशि दिलाये जाने की मांग की है। आवेदक जिया लाल धुर्वे पिता ढोला सिंह निवासी अण्डई ने आवेदन में लेख किया है कि खरमेर मध्यम परियोजना अण्डई में जल संसाधन विभाग के द्वारा हमारी पैतृक भूमि पटवारी हल्का नंबर 65 ग्राम अण्डई में स्थित है जिसका खसरा नम्बर 107 तथा ग्राम उमरिया पटवारी हल्का नम्बर 141 खसरा नम्बर 14 की भूमि अधिग्रहित कर ली गई है। जिसका मुआवजा परिवार के सदस्यों की संख्या के मुताबिक 10 हिस्सेदार है। उक्त भूमि का मुआवजा भू अर्जन विभाग एवं पटवारी अजय सोहनिया के द्वारा निर्धारण के दौरान आधी राशि बडे भाई के हिस्से में दे दी गई और बाकी 9 भाई बहनों को आधा हिस्सा का निर्धारण किया गया जिसमें अभी तक संपूर्ण राशि नहीं दी गई है जिस संबंध में आवेदक के द्वारा भू अर्जन शाखा एवं अपर कलेक्टर को भी आवेदन दिया जाकर भुगतान किये जाने की मांग की गई थी। जबकि ग्राम के अन्य किसानों को निर्धारित मुआवजा राशि प्रदान की जा चुकी है, ऐसी दशा में मुझ आवेदक को भटकाया जा रहा है तथा भू अर्जन विभाग में पदस्थ अमला द्वारा यह कहा जा रहा है कि शेष राशि का भुगतान बांध निर्माण कार्य शुरू होने के दौरान दिया जायेगा। आरोप लगाया गया है कि मुआवजा निर्धारण में भेदभाव किया गया है नियमानुसार भूमि का मुआवजा सभी हकदारों को बराबर-बराबर दिया जाना था लेकिन परिवार के एक सदस्य को आधी राशि एवं आधी राषि में अन्य खातेदारों के नाम से जारी किया जाना न्यायसंगत नहीं है।

अज्ञात मोटरसाइकिल चालक के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध

डिंडौरी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत जबलपुर रोड में जोगीटिकरिया सुबखार में एक डेयरी के सामने सड़क दुर्घटना में गुरुवार की सुबह छात्र घायल हो गया था। घायल छात्र के पिता की रिपोर्ट पर आरोपित अज्ञात मोटरसाइकिल चालक के विरुद्ध बीएनएस की धारा 281,125 ए का अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है। घटना के संबंध में शंकरलाल यादव पिता स्व. गनेश लाल यादव उम्र 40 साल निवासी ग्राम सालीवाडा माल थाना शाहपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि गुरुवार को मेरा पुत्र रोहित यादव अपनी मोटर सायकल से डिण्डौरी जा रहा था। सुबह करीब 11 बजे मिडवे ट्रीट के आगे डेयरी के सामने डिंडोरी तरफ से आ रहे एक अज्ञात मोटर सायकल चालक ने लापरवाही पूर्वक रोहित की मोटर सायकल मे सामने से टक्कर मार दी थी, जिससे रोहित मोटरसाइकिल सहित रोड मे गिरकर घायल हो गया।

जल्दबाजी में हो रहा निर्माण, सरकारी राशि के दुरुपयोग के आरोप

डिवाइडर निर्माण पर उठे गंभीर सवाल, पौधों के नुकसान से नागरिकों में रोष

डिंडौरी

नगर सौंदर्यीकरण के नाम पर जिला मुख्यालय में नगर परिषद द्वारा कराए जा रहे डिवाइडर निर्माण कार्य को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। निर्माण कार्य में बरती जा रही जल्दबाजी और पुराने डिवाइडरों पर लगे दशकों पुराने हरे-भरे पौधों को उखाड़े जाने से नागरिकों में भारी आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि विकास के नाम पर पर्यावरण और सरकारी धन दोनों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।जानकारी के अनुसार करीब 25 लाख रुपये की लागत से नगर में पहले से मौजूद डिवाइडरों को तोड़कर नए डिवाइडर बनाए जा रहे हैं। जबकि कई स्थानों पर पुराने डिवाइडर केवल आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त थे और मामूली मरम्मत से ही काम चल सकता था। इसके बावजूद पूरे डिवाइडर को हटाकर नया निर्माण कराए जाने को लेकर नागरिक सरकारी राशि के अनावश्यक खर्च और दुरुपयोग का आरोप लगा रहे हैं।पुराने ट्रैफिक थाना से भाजपा कार्यालय तक नए डिवाइडर का निर्माण प्रस्तावित है। इसके लिए पुराने डिवाइडरों को अव्यवस्थित तरीके से तोड़ा जा रहा है। जेसीबी मशीन की चपेट में आने से बिजली के खंभों और सड़क किनारे लगे पौधों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। डिवाइडर टूटने से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है, धूल-मिट्टी के गुबार से

आमजन परेशान हैं, वहीं पर्यावरण प्रेमियों ने वर्षों पुराने पौधों के नुकसान पर गहरी चिंता जताई है।

राशि के सदुपयोग की उठी मांग

एक ओर नगर परिषद डिवाइडर जैसे कार्यों पर लाखों रुपये खर्च कर रही है, वहीं दूसरी ओर शहर की मूलभूत सुविधाएं बदहाल बनी हुई हैं। पुरानी डिंडौरी के कंपनी चौक क्षेत्र में लंबे समय से सार्वजनिक शौचालय की आवश्यकता है, लेकिन इस दिशा में अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। मजबूरी में लोग पास स्थित तालाब को मूत्रालय के रूप में उपयोग कर रहे हैं, जिससे तालाब की स्वच्छता और सौंदर्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि नगर परिषद चाहती तो डिवाइडर निर्माण पर खर्च की जा रही राशि से सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराया जा सकता था, साथ ही तालाब के संरक्षण और सौंदर्यीकरण का कार्य भी संभव था। इससे जनस्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों को लाभ मिलता।

इतनी जल्दबाजी क्यों?

डिवाइडर निर्माण में बिना स्पष्ट कार्ययोजना के दिखाई दे रही जल्दबाजी भी लोगों को खटक रही है। नागरिकों का कहना है कि पुराने डिवाइडर तोड़ने के साथ-साथ नए डिवाइडर का निर्माण भी समानांतर रूप से किया जाना चाहिए था, ताकि अव्यवस्था न फैले। लेकिन वर्तमान स्थिति में ठेकेदार केवल डिवाइडर तोड़ने और पौधों को उखाड़ने में ही लगा है, जिससे नगर में अव्यवस्था फैल रही है।

नियमों की अनदेखी का आरोप

नियमानुसार डिवाइडर निर्माण से जुड़ा समस्त कार्य ठेकेदार द्वारा किया जाना चाहिए, लेकिन मौके पर पानी की व्यवस्था, सिंचाई तथा पहले से स्थापित बिजली खंभों से जुड़े कार्य नगर परिषद के कर्मचारियों और वाहनों से कराए जा रहे हैं। इसे नगर परिषद कर्मियों के शोषण और ठेकेदार को अनुचित लाभ पहुंचाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।कुल मिलाकर, डिवाइडर निर्माण को लेकर नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गए हैं। अब देखना यह है कि प्रशासन इन आरोपों को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या जनहित व पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य की समीक्षा की जाती है या नहीं।

करोड़ों खर्च के बावजूद बदहाली का शिकार मंहगी तालाब

शहपुरा नगर परिषद पर सौंदर्यीकरण में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

डिंडोरी।

डिंडोरी जिले के शहपुरा नगर परिषद से एक गंभीर और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। नगर के ऐतिहासिक मंहगी तालाब के सौंदर्यीकरण और जल संरक्षण के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद तालाब की स्थिति बद से बदतर बनी हुई है। करीब 70 वर्ष पुराने इस तालाब के विकास के लिए शासन द्वारा एक करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई थी, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है।कभी नगरवासियों के लिए प्रमुख जलस्रोत रहा मंहगी तालाब आज गंदगी, कीचड़ और दुर्गंध का केंद्र बन चुका है। तालाब का पानी किसी भी उपयोग योग्य नहीं रह गया है। आसपास खुले में शौच, गंदे पानी का जमाव और मच्छरों की भरमार से क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है।स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि सौंदर्यीकरण के नाम पर सिर्फ कागजी औपचारिकताएं पूरी की गईं। तालाब की सफाई, गहरीकरण और जीरो धार निर्माण जैसे कार्य दिखावे तक सीमित रह गए, जबकि वास्तविक स्थिति में कोई ठोस सुधार नजर नहीं आता। इससे शहपुरा नगर परिषद की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

निष्पक्ष जांच की मांग

शहपुरा निवासी एवं अधिवक्ता निर्मल साहू का कहना है कि मंहगी तालाब नगर की ऐतिहासिक धरोहर है। जीरो धार निर्माण और सौंदर्यीकरण के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन आज भी कार्य अधूरा है। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

नगर परिषद का पक्ष नहीं आया सामने

मामले में नगर परिषद शहपुरा का पक्ष जानने के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी।एक ओर शासन स्वच्छ भारत अभियान और जल संरक्षण को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रहा है, वहीं दूसरी ओर शहपुरा नगर परिषद में उन्हीं योजनाओं की जमीनी सच्चाई सवालों के घेरे में है। लोगों का सीधा सवाल है कि क्या वास्तव में करोड़ों रुपये तालाब पर खर्च हुए या फिर यह राशि भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई।फिलहाल निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि 70 साल पुराने इस ऐतिहासिक तालाब की बदहाली के लिए जिम्मेदारों पर कार्रवाई होती है या यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा।यदि एक ऐतिहासिक तालाब की यह स्थिति है, तो विकास के दावों की हकीकत पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

जल जीवन मिशन के तहत शहपुरा–मेहदवानी में क्लस्टर स्तरीय कार्यशाला संपन्न

शहपुरा - मध्य प्रदेश जल निगम की परियोजना क्रियान्वयन इकाई मंडला के अंतर्गत शहपुरा–मेहदवानी ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना, जिला डिंडोरी में क्लस्टर स्तरीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला सेतु फाउंडेशन द्वारा जल जीवन मिशन के तहत आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजनाओं को सशक्त बनाना और स्थानीय स्तर पर सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना रहा।

कार्यशाला में मध्य प्रदेश जल निगम से सुशीला मरावी (प्रबंधक, जन सहभागिता), एसक्यूसी से पंकज, तकनीकी विभाग से चंद्रेश सहित बड़ी संख्या में स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधि, जल समिति के अध्यक्ष, सचिव और सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता के साथ योजना के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। चर्चा के मुख्य बिंदुओं में क्लस्टर स्तर पर योजना का प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित संचालन और रखरखाव, जल गुणवत्ता की निगरानी, तथा ग्रामीणों में स्वच्छ जल के प्रति जागरूकता बढ़ाना शामिल रहा। वक्ताओं ने बताया कि जल जीवन मिशन का मूल उद्देश्य हर ग्रामीण परिवार तक सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल पहुंचाना है, जिसे सफल बनाने के लिए समुदाय की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। इसी क्रम में जल समितियों को योजना के संचालन, तकनीकी समझ और समस्याओं के त्वरित समाधान से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। कार्यशाला का प्रमुख लक्ष्य जल निगम की परियोजनाओं में स्थानीय समुदाय की जिम्मेदारी और सहभागिता को मजबूत करना रहा। प्रतिभागियों को योजना से मिलने वाले लाभ, जल प्रदाय व्यवस्था के सुचारु संचालन तथा जल संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। इससे ग्रामीण स्तर पर जल संसाधनों के बेहतर उपयोग और दीर्घकालिक प्रबंधन की दिशा में ठोस रणनीति तैयार करने में मदद मिलेगी। आयोजकों के अनुसार इस तरह की क्लस्टर स्तरीय कार्यशालाओं से शहपुरा–मेहदवानी क्षेत्र में जल प्रदाय व्यवस्था और अधिक प्रभावी बनेगी तथा स्वच्छ जल की सतत उपलब्धता सुनिश्चित होगी। कार्यक्रम का संचालन आईएसए सेतु फाउंडेशन से परदेशी झारिया, तीरथ झारिया और राजन साहू द्वारा किया गया। अंत में सभी सहभागियों ने कार्यशाला को उपयोगी बताते हुए भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता जताई।

शहपुरा में श्रीराम मंदिर बना नर्मदा परिक्रमावासियों की सेवा का केंद्र

शहपुरा

नगर के बाजार चौक स्थित श्रीराम मंदिर में प्रतिदिन मां नर्मदा परिक्रमा पर निकले श्रद्धालुओं के लिए निःस्वार्थ सेवा का कार्य निरंतर जारी है। श्रीराम मंदिर समिति एवं नगर के भक्तजनों के सहयोग से प्रतिदिन लगभग 40 से 50 नर्मदा परिक्रमा वासियों को निःशुल्क भोजन प्रसाद वितरित किया जा रहा है।सेवा कार्य केवल भोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि परिक्रमा वासियों के स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। नगर के चिकित्सकों द्वारा प्रतिदिन निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाइयों का वितरण किया जा रहा है। इसके साथ ही सुबह चाय-नाश्ते की व्यवस्था, ठंड से बचाव के लिए अलाव तथा स्नान हेतु गर्म पानी की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। इस सेवा अभियान में समाजसेवी पार्षद

सुरेन्द्र साहू, प्रमोद तिवारी, अमित साहू, प्रहलाद साहू, दीपक गुप्ता, संजू सोनी, सलभ साहू, प्रतीक तिवारी, निखिल साहू, विकास साहू, गोलू विश्वकर्मा, कैलाश सोनी, दीपक सोनी सहित अनेक नगरवासी प्रतिदिन सहयोग प्रदान कर रहे हैं।निःशुल्क चिकित्सा सेवा में डॉ. रत्नेश द्विवेदी, डॉ. राजीव साहू, डॉ. ईश्वर सिंह ठाकुर, डॉ. प्रभात अवधिया, सर्वेश गुप्ता, डॉ. आनंद गोल्दार, सौरभ गुप्ता, विवेक उसराठे, सुमित साहू, सागर साहू एवं ओम साहू नियमित रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। नगर में चल रही यह सेवा नर्मदा परिक्रमा वासियों के लिए बड़ी राहत बन रही है और समाज में सेवा व समर्पण की मिसाल प्रस्तुत कर रही है।

श्रद्धालुओं को बांटे गर्म वस्त्र, विद्यालय का भी किया औचक निरीक्षण

कलेक्टर ने मालपुर नर्मदा घाट व मकर संक्रांति मेला स्थल का किया निरीक्षण

डिंडौरी।

शुक्रवार को कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने ग्राम पंचायत मालपुर स्थित नर्मदा घाट एवं मकर संक्रांति मेला स्थल का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रतिवर्ष नर्मदा घाट पर आयोजित होने वाले तीन दिवसीय मकर संक्रांति मेले को देखते हुए कलेक्टर ने सुरक्षा, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक प्रबंधों की समीक्षा की।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर नर्मदा घाट पहुंचीं, जहां उन्होंने मां नर्मदा की विधिवत पूजा-अर्चना कर आरती की और फूलमाला अर्पित की। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को उन्होंने गर्म वस्त्र वितरित कर मानवीय संवेदना का परिचय दिया।कलेक्टर ने एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा को निर्देश दिए कि नर्मदा घाट की प्राकृतिक सुंदरता को ध्यान में रखते हुए इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया जाए। साथ ही पुलिस विभाग को मेला अवधि के दौरान मुख्य मार्गों और संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के समय तहसीलदार, पुलिस

अधिकारी-कर्मचारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमेरा का औचक निरीक्षण

इसी क्रम में कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने विकासखंड शहपुरा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमेरा का औचक निरीक्षण भी किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक वनवासी ने बताया कि विद्यालय में कक्षा 9वीं से 12वीं तक की कक्षाएं संचालित हैं तथा कुल 309 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।कलेक्टर ने कक्षा में जाकर विद्यार्थियों से पाठ्यपुस्तकें पढ़वाईं, प्रश्न पूछे और उनके शैक्षणिक स्तर का आकलन किया। उन्होंने प्राचार्य को निर्देशित किया कि दसवीं और बारहवीं की परीक्षाओं में अब केवल एक माह शेष है, ऐसे में विद्यार्थियों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। कलेक्टर ने कहा कि इस वर्ष का परीक्षा परिणाम पिछले वर्षों से बेहतर होना चाहिए।विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अनुशासन, लगन और निरंतर मेहनत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से पूरी एकाग्रता के साथ परीक्षा की तैयारी करने का आह्वान किया तथा कहा कि किसी भी समस्या की स्थिति में वे प्रशासन से सीधे संवाद कर सकते हैं।

शासकीय निस्तारी भूमि में अवैध अतिक्रमण हटाये जाने की मांग

डिंडौरी। वृत्त समनापुर अंतर्गत मानिकपुर में मेन रोड तिराहा में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण हटाये जाने की मांग की गई है। विगत दिन कलेक्टर कार्यालय में ग्राम पंचायत मानिकपुर के सरपंच सहित ग्रामीणों द्वारा दिये गये आवेदन में उल्लेख किया गया है कि मानिकपुर मेन रोड तिराहा में शासकीय भूमि में दुकानदारों द्वारा टीन का शेड बनाकर बेजा कब्जा किया गया है जिससे तिराहा की चौड़ाई कम हो गई है वाहनों के आवाजाही सहित मोड़ने में परेशानी होती है साथ ही दुर्घटना की भी संभावना बनी रहती है। आवेदन में लेख किया गया है, कि मेन रोड के किनारे शासकीय भूमि में अवैध कब्जा कर कच्चा मकान बनाकर दुकान का संचालन किया जा रहा है जिससे अव्यवस्थाएं हावी है इसी तरह मानिकपुर से सरई माल मुख्य मार्ग में भी शासकीय भूमि में लोगों के द्वारा अवैध कब्जा कर व्यापार एवं निस्तार किया जा रहा है जबकि पूर्व में इस स्थान में खेल कूद सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता था इसके अलावा मडई मेला के आयोजन के दौरान मार्ग के दोनों तरफ व्यापारी दुकान सजाते थे लेकिन अब कुछ लोगों के द्वारा मकान का निर्माण कर लिया है जिससे सभी प्रकार की गतिविधियां बंद हो गई हैं। सरपंच द्वारा बतलाया गया कि ग्राम पंचायत अंतर्गत मुख्य मार्ग और तिराहा के आसपास किये गये अवैध कब्जा को हटाया जाए आवेदन में लेख किया गया है कि जिनको बेदखल किया जाएगा उन्हें ग्राम पंचायत के द्वारा प्रावधान के मुताबिक भूमि आवंटित की जाएगी, तथा कब्जा हटाये जाने के बाद खाली हुई भूमि में पक्की दुकानों का निर्माण किया जायेगा जिससे ग्राम पंचायत को आय अर्जित होगी, जिससे विभिन्न प्रकार के विकास कार्य ग्राम पंचायत अंतर्गत किये जायेगें तथा निर्मित दुकानें बेरोजगार युवकों को आवंटित की जाएगी, जिन्हें रोजगार मिल सकेगा। ग्राम पंचायत के सरपंच और ग्रामीणों ने इस बावद कार्रवाई की मांग की है।

नगर में पानी की टेस्टिंग शुरू, अमले के साथ पार्षद भी घर-घर जाकर ले रहे हैं सैंपल

डिंडोरी। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों के बाद से अब नगरीय क्षेत्र में पार्षद, कर्मचारियों के साथ घर-घर जा कर पानी का सैंपल लेकर पानी चेक करवा रहे है। 12 जनवरी से शुरू हुई जल सुनवाई अगले 6 महीने तक लगातार चलने की बात कही जा रही है। नगर परिषद सीएमओ अमित तिवारी ने बताया कि 12 जनवरी से नगरीय क्षेत्र के 15 वार्डो में तीन टीमें प्रतिदिन पांच घरों में पानी का सैंपल लेकर घर मालिक के सामने ही टेस्ट करके पीएच बता रहे है। इस काम के लिए ट्रेनिंग प्राप्त स्व सहायता समूह की महिलाएं टीम के साथ लगी हुई है। वार्ड नंबर 9 की पार्षद स्मिता बर्मन, और उपाध्यक्ष सारिका नायक टीम के साथ वार्ड नंबर 10 में संतोषी पटेल और वार्ड नंबर 9 में चैना बाई रजक के घर में पानी की टेस्टिंग की। घर से एक बोतल में पानी मंगाया गया, स्व सहायता समूह की महिलाएं सरिता, रेणुका नंदा और रोशनी धार्वे ने परख नली में पानी डालकर क्लोराइड, फ्लोराइड, सुगंध, कठोरता और ईकोलाई का टेस्ट किया। पानी का पी एच 8.5 निकला, समूह की सदस्यों ने बताया कि पानी पीने योग्य है। इस दौरान यशवंत मसराम, आशीष कोरी, श्वेता तिवारी, शिव प्रसाद, घनश्याम वनवासी, कृष्णा मालवीय मौजूद रहे।

सर्व हिंदू समाज का हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम भव्यता के साथ संपन्न

डिंडोरी। नगर में सर्व हिंदू समाज के तत्वावधान में पारंपरिक हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उनके आगमन पर समाज की महिला पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया।आयोजन में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने एक-दूसरे को हल्दी-कुमकुम लगाकर आपसी सौहार्द, प्रेम और सामाजिक समरसता का संदेश दिया, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और उल्लास और बढ़ गया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन हमारी परंपराओं को सहेजने के साथ-साथ समाज में भाईचारे और सद्भाव को मजबूत करते हैं। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से ही समाज का सर्वांगीण विकास संभव है तथा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक गीत-संगीत, भजन और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनसे संपूर्ण वातावरण

उत्सवमय हो उठा। महिलाओं ने आपसी मेल-जोल के साथ अपने विचार और अनुभव साझा किए, जिससे सामाजिक जुड़ाव और अधिक सुदृढ़ हुआ।सर्व हिंदू समाज की ओर से श्रीमती अर्पणा मिश्रा ने बताया कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य समाज में एकता, समरसता और सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को प्रसाद एवं स्मृति-चिह्न भेंट किए गए। आयोजन को सफल बनाने में सर्व हिंदू समाज की महिला सदस्यों और स्वयंसेवकों का सराहनीय योगदान रहा। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनसमूह के प्रति आभार व्यक्त किया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, शनिवार 17 जनवरी 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

तीन दिवसीय एक्जीबिशन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्वयं का, स्वयं के लिए, स्वयं के द्वारा इस मूल भावना को साकार करते हुए नई सोच महिला मंडल द्वारा स्वयं एक्जीबिशन का तीन दिवसीय आयोजन एमएसएमई-डीएफओ, इंदौर के सहयोग से सफलतापूर्वक शुरू हुआ। जनपद पंचायत मैदान में प्रदर्शनी का शुभारंभ परिवहन एवं शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने किया। उद्घाटन समारोह में पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी ,नपा अध्यक्ष नीरज दुबे तथा समाजसेविका भारती ठाकुर की उपस्थिति रही। आयोजन का नेतृत्व नई सोच हमारी महिला मंडल की अध्यक्ष डॉ. कल्पना मिश्र, सचिव चाहत पचैरी एवं उपाध्यक्ष दीपिका कपूर ने सामूहिक रूप से किया।

श्रीमद भागवत कथा 20 से

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। संगीतमय श्रीमद भागवत कथा 20 जनवरी से कलश यात्रा से प्रारंभ होगी। इस संबंध में श्याम समिति ने बताया कि नरसिंह मंदिर परिसर में 26 जनवरी तक चलने वाली श्रीमद् भागवत कथा में कलश यात्रा 20 जनवरी को दोपहर 12 बजे से निकलेगी। प्रतिदिन कथाव्यास आचार्य अजय महाराज डोंगरगाँव वालों द्वारा दोपहर 2 बजे से प्रवचन दिए जाएंगे। श्याम समिति ने सभी से इस आयोजन में सहभागिता की अपील की है।

ओलम्पियाड प्रतियोगिता 1562 परीक्षार्थी हुए सम्मिलित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल के निर्देशानुसार ओलम्पियाड सत्र 2025-26 अंतर्गत जिला स्तरीय (द्वितीय चरण) की दो दिवसीय ओलम्पियाड प्रतियोगिता का आयोजन जिले के समस्त विकासखण्ड मुख्यालयों पर किया जा रहा है। प्रतियोगिता के प्रथम दिवस परीक्षा तीन पालियों में सम्पन्न कराई गई। प्रथम दिवस कक्षा दूसरी एवं तीसरी के हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित विषयों तथा कक्षा छठवीं से आठवीं तक के हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत विषयों की प्रतियोगिता ओएमआर शीट के माध्यम से आयोजित की गई।

नहीं रहे अमोल चौधरी

तेंदूखेड़ा। गत दिवस देवरी राजमार्ग निवासी प्रतिष्ठित चौधरी परिवार के अमोल सिंह चौधरी बड्डे भैया का इलाज के दौरान समय दुखद निधन हो गया। जिन्हें क्षेत्र के सभी वर्गों के लोगों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी।बड्डे भैया मनीष कुमार एडवोकेड वीर बहादुर नीलेश के पूज्य पिता एवं बिक्रम सिंह सतीश पटैल के बडे पिता संतोष कुमार पटैल सुमन पटैल के चाचा जी थे।

नहीं रहीं सोना बाई जैन

तेंदूखेड़ा। नगर के प्रतिष्ठित विलगुंवा वाले जैन जिनेश कुमार मनोज अनिल जैन की पूज्य माता जी सोना बाई जैन का दुखद निधन हो जाने पर नगर के सभी वर्गों के लोगों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी।

नहीं रहे छोटे लाल बरकडे

तेंदूखेड़ा। चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत आने वाले शासकीय उच्चतर माध्यमिक बालक शाला तेंदूखेड़ा संकुल की शासकीय प्राथमिक शाला मौरपानी में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक छोटेलाल बरकड़े का विगत 31 दिसंबर का अनुविभागीय राजस्व कार्यालय के सामने बाइक चलाते हुए एक कार से एक्सीडेंट हो गया था । जिन्हें तत्काल गहन चिकित्सा हेतु जबलपुर रिफर किया था।15 दिनों से जीवन और मृत्यु से संघर्ष कर रहे थे। 60 वर्षीय श्री बरकड़े अंततः 16 जनवरी को मृत्यु से हार गये। जिनको आज 17 जनवरी उनके गृहनगर बालाघाट में अंतिम विदाई दी जाएगी।

जी राम जी को लेकर पत्रकारों से की चर्चा

भगवान राम के नाम से नफरत करती है कांग्रेस: मंत्री

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन द्वारा स्थानीय होटल में वीबी-जी राम जी बिल को लेकर प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता को मध्यप्रदेश शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण व जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने संबोधित किया। प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहां कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदर्शी सोच का प्रतिफल है वीबी-जी रामजी जी योजना। वीबी-जी रामजी योजना वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार कर गांवों को समृद्ध बनाएगी। इस योजना में 125 दिन के रोजगार की गारंटी है, जबकि मनरेगा में सिर्फ 100 दिन काम मिलता था। नई योजना में भुगतान 7 दिनों में किया जावेगा। यह योजना ग्रामीण क्षेत्र के समुचित विकास में मील का पत्थर साबित होगी। कांग्रेस के शासनकाल की अपेक्षा मोदी जी ने इस योजना पर ज्यादा खर्च किया है। मनरेगा में अब तक 11.74 लाख करोड रूपये खर्च हुए जिसमें मोदी सरकार द्वारा 8.53 लाख करोड़ रूपये खर्च किये गए है।

कभी भी मजदूरी प्राप्त कर सकते हैं मजदूर

प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहां कि पुरानी योजना में वर्ष में कभी भी मजदूरी प्राप्त किया जा सकता है, जबकि नई योजना में कृषि के व्यस्ततम समय जैसे बुवाई, कटाई के दौरान पर्याप्त कृषि श्रमिकों की उपलब्धता को भी सुनिश्चित किया गया है। नई योजना में राज्यों को 60 दिन अधिसूचित करने का प्रावधान है, जिसके अंतर्गत फसलों की बुवाई, कटाई के समय को सम्मिलित कर खेती के लिए मजदूरों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा सकेगी। इस तरह 125 दिन के साथ मजदूरों को 60 दिन खेती किसानी में भी कार्य करने के लिए मिलेंगे। प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि श्रमिको को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु बनाई गई योजना का 1980 में इन्द्रा गांधी ने नाम बदला फिर राजीव गांधी ने इसे जवाहर रोजगार योजना नाम दिया। 2004 मे नरेगा था बाद में कांग्रेस ने योजना के जरिये वोट की राजनीति करने हेतु महात्मा गांधी जी का नाम जोड़ मनरेगा किया।

राम के नाम से नफरत करती है कांग्रेस

कांग्रेस पार्टी व गांधी परिवार भगवान राम के नाम से नफरत करते है तभी योजना में भगवान राम के नाम पर आपत्ति कर रहे है जबकि गांधी जी का प्रिय शब्द था राम । कांग्रेस केवल तुष्टीकरण की राजनीति व संकुचित मानसिकता के कारण योजना में राम का नाम आने पर विरोध कर रही है जबकि मोदी जी ने योजना में राम का नाम लाकर गांधी जी को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है। गांधी भगवान राम का मंदिर 500 साल के संघर्ष के बाद बनकर तैयार हुआ है तब से आज दिनांक तक गांधी परिवार का कोई सदस्य व इंडी गठबंधन के नेता राम मंदिर में भगवान राम के दर्शन करने नहीं गये जबकि भगवान राम इस देश के हर जन के मन में व लोगों के प्राण में बसते उन भगवान राम के नाम को योजना के नाम में समाहित करने पर कांग्रेस इस बिल का विरोध कर रही है जो करोड़ो हिन्दुओं की आस्था पर कुठाराघात है।

योजना में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्रावधान

प्रभारी मंत्री ने बताया कि वीबी-जी रामजी योजना में और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए होने वाले कार्यों की जियो-टैगिंग, डिजिटल रिकॉर्डिंग एवं सूचना प्रबंधन प्रणाली तथा सभी श्रमिकों को त्वरित एवं उचित भुगतान सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल तथा बायोमेट्रिक भुगतान प्रणाली का प्रावधान किया गया है। पारदर्शिता के लिए ग्राम-सभा द्वारा सोशल ऑडिट भी कराने का प्रावधान है। नई योजना में पंचायतीराज संस्थाओं जैसे ग्राम सभा, ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, जिला पंचायत तथा राज्य परिषद को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। श्री राजपूत ने कहा कि वीबी-जी रामजी योजना में प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को न्यूनतम 125 दिन रोजगार या आजीविका का अवसर वैधानिक अधिकार है। महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजातियों, खानाबदोस, महिला मुखिया परिवार, दिव्यांग मुखिया परिवार, छोटे व सीमांत किसानों के लिए भी रोजगार का प्रावधान किया गया है। अकुशल शारीरिक कार्यों की मजदूरी दरें केंद्र सरकार तय करेगी। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटैल, विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल, महेन्द्र नागेश जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति काकोड़ीया, नगर पालिका अध्यक्ष नीरज महाराज, वीबीजी रामजी के जिला सहसंयोजक संतोष दुबे, जिला मीडिया प्रभारी अभिनव शर्मा मंचस्थ रहे।

राष्ट्र निर्माण में सामाजिक समरसता की अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नियमित, अनुशासन एवं प्रोत्साहन को आत्मसात करते हुए एम.आई.एम.टी. कॉलेज में स्वामी विवेकानन्द जी के आदर्शों एवं महात्मा गांधी की सामाजिक समरसता की अवधारणा के साथ दो दिवसीय कम्युनिटी लंच का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस बायो साइंस विभाग, कला एवं समाज कार्य विभाग तथा लॉ कॉलेज के द्वारा आयोजित कम्यूनिटी लंच के शुभारंभ सत्र का आयोजन फादर एंटो अचन समन्वय परिवार सच्चिदानंद आश्रम नरसिंहपुर के मुख्य आतिथ्य, डॉ. सुधीर सिंघई अध्यक्ष समन्वय परिवार नरसिंहपुर की अध्यक्षता, वरिष्ट साहित्यकार अजय तुलसी एवं एम. आई.एम. टी. कॉलेज नरसिंहपुर के चेयरमैन इंजी. रुद्रेश तिवारी, के विशिष्ट आतिथ्य, प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग एवं उपप्राचार्य डॉ. एस.एन. राव की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फादर एंटो ने जीवन में सामाजिक समरसता एवं आत्मबल के महत्व की विस्तार से व्याख्या की। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. सिंघई द्वारा शैक्षणिक संस्थाओं में सामूहिक भोज जैसे कार्यक्रमों के आयोजनों से उत्कृष्ट समाज निर्माण पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि अजय तुलसी ने कार्यक्रम को समाज एवं संस्कृति में समन्वय तथा समरसता निरूपित करने का बेहतर मंच बताया।

चेयरमैन इंजी. रुद्रेश तिवारी ने कम्युनिटी लंच जैसे आयोजन को वर्तमान परिपेक्ष्य में समरसता का सशक्त माध्यम निरूपित किया। स्वागत भाषण देते हुए संस्था प्राचार्य डॉ. गर्ग द्वारा आयोजन की रूपरेखा, स्वामी विवेकानंद एवं महात्मा गांधी के ध्येय वाक्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक प्रभारी मेजर डॉ. पराग नेमा एवं आभार श्रीमती आराधना दुबे द्वारा किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय सोपान में सहभोज का आयोजन किया गया जिसमें सभी छात्र-छात्राओं ने आपसी सौहार्द के साथ भोजन किया। कार्यक्रम में श्रीमती शिखा पटेल, श्रीमती अनीता रघुवंशी, डॉ. दीपिका शर्मा, जी. डी. उमरे, सुश्री विजेता सिधना, आई. टी. ऑफिसर प्रसून नेमा सहित समस्त स्टाफ मेम्बर्स एवं छात्र - छात्राओं, एन. सी. सी. केडिट्स एवं रासेयो स्वयंसेवकों की उपस्थिति रही।

थल सेना दिवस पर विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने लिया देश सेवा का संकल्प

गोटेगांव। विगत दिवस स्थानीय सांदीपनी विद्यालय में 15 जनवरी को थल सेना दिवस के उपलक्ष्य में एनसीसी कैडेट्स द्वारा एक विशेष सेमिनार का गरिमामय आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से कैडेट्स ने भारतीय सेना के शौर्य को नमन करते हुए राष्ट्र सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। फील्ड मार्शल करिअप्पा के योगदान का स्मरण सेमिनार के दौरान एनसीसी अधिकारी मनोज कुमार जैन ने भारतीय सेना के प्रथम कमांडर-इन-चीफ फील्ड मार्शल के.एम. करिअप्पा के ऐतिहासिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं, सार्जेंट मेजर पूनम ठाकुर ने देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले परमवीर चक्र विजेताओं के अदम्य साहस और बलिदान को याद कर कैडेट्स में देशभक्ति का जज्बा भरा। डिजिटल सुरक्षा और आधुनिक सैन्य तकनीक पर चर्चा कार्यक्रम में कारपोरल शिवम ने वर्ष 2026 के थल सेना दिवस के मुख्य विषय नेटवर्किंग और डेटा केंद्रितता पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने आधुनिक युद्ध कौशल में डिजिटल सुरक्षा और डेटा प्रबंधन के बढ़ते महत्व को समझाते हुए कैडेट्स को तकनीकी रूप से सक्षम बनने के लिए प्रेरित किया। देश सेवा और साइबर सुरक्षा का लिया संकल्प इस अवसर पर विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने भारतीय सेना के गौरवशाली इतिहास पर सामूहिक चर्चा की। सभी ने भविष्य में सेना में भर्ती होकर देश की सीमाओं की रक्षा करने और समाज में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने का सामूहिक संकल्प लिया। खुशबू साहू द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में सभी कैडेट्स ने अत्यंत उत्साह के साथ सहभागिता दर्ज कराई।

जल संकट और जर्जर सड़कों से किसान बेहाल

गोटेगांव। नगर की कृषि उपज मंडी इन दिनों प्रशासनिक उदासीनता और घोर लापरवाही के कारण बदहाली के आंसू रो रही है। मंडी परिसर में बुनियादी सुविधाओं का अभाव किसानों, व्यापारियों और मजदूरों के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। शासन-प्रशासन के बेहतर व्यवस्थाओं के दावे जमीनी हकीकत से कोसों दूर नजर आ रहे हैं।परिसर में जल प्रबंधन की स्थिति बेहद चिंताजनक है। एक तरफ मुख्य टंकी से हजारों लीटर पानी चौबीसों घंटे व्यर्थ बह रहा है, तो दूसरी तरफ कई नलों में बूंद भर पानी उपलब्ध नहीं है। नलों में टोंटियाँ न होने के कारण उन्हें लकड़ियों के सहारे बंद करने का प्रयास किया गया है, जो कुप्रबंधन की पराकाष्ठा है। पेयजल की स्वच्छता को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पानी की टंकी की महीनों से सफाई न होने के कारण उसमें काई और गंदगी जमा है, जिससे संक्रमण और बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ गया है। व्यवस्थाओं के साथ-साथ अधोसंरचना भी दम तोड़ रही है। मंडी के भीतर की सड़कें पूरी तरह उखड़ चुकी हैं और जगह-जगह बिखरी कंक्रीट निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवालिया निशान लगा रही है। जर्जर सड़कों के कारण अनाज से लदे वाहनों के पलटने का भय बना रहता है। स्थानीय किसानों और व्यापारियों का कहना है कि बार-बार अवगत कराने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे हुए हैं, पानी की किल्लत के कारण उन्हें बाहर से पानी खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। वहीं, ग्रामीणों ने नई सड़कों के कुछ ही समय में उखड़ने को भ्रष्टाचार का नतीजा बताते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

सामाजिक एकता का शंखनाद -19 जनवरी को जुटेगा साहू समाज, राष्ट्रीय पदाधिकारी होंगे शामिल

गोटेगांव। साहू समाज की एकता, अखंडता और समरसता को मजबूती देने के लिए आगामी 19 जनवरी 2026, सोमवार को ग्राम इमलिया में एक विशाल सामाजिक एकता समारोह का आयोजन किया जा रहा है। साहू समाज उत्थान मंडल गोटेगांव एवं ग्रामीण समिति के तत्वाधान में आयोजित यह कार्यक्रम दोपहर 12:00 बजे से प्रारंभ होगा। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने पर विचार-मंथन करना और युवाओं व महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है।आयोजन की गरिमा बढ़ाने के

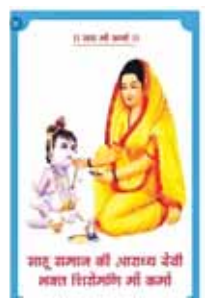

लिए राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन के मध्य प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू और प्रदेश महामंत्री बाबूलाल साहू विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इनके साथ ही मध्य प्रदेश तेलघानी बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त रवि करण साहू भी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इमलिया जोन के सामाजिक बंधुओं ने संपूर्ण गोटेगांव ब्लॉक के स्वजातीय नागरिकों, माताओं-बहनों और युवा साथियों से अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर इस आयोजन को सफल बनाने की भावपूर्ण अपील की है।

माघ स्नान आध्यात्मिक ऊर्जा का दाता शास्त्र सम्मत व विज्ञान सम्मत

हमारी धार्मिक परम्परा में माघ का महीना विशेष पुण्यप्रद एवं पवित्र माना जाता है। यह महीना सनातन मतावलंबियों के लिए उनके प्रमुख गणेश सूर्य विष्णु शिव एवं दुर्गा आदि पांच देवताओं की उपासना का पर्व है। संकष्टी गणेश व्रत, षट्तिला एकादशी मकर संक्रांति मौनी अमावस्या गुप्त नवरात्रि व्रत पर्व बसंत पंचमी माघी पूर्णिमा आदि ऐसे पर्व हैं जो कि पंचदेव उपासना के लिए विशेष महत्वपूर्ण है। इस महीने में पवित्र नदियों और संगम आदि तीर्थ क्षेत्र में स्नान दान साधना का विशेष महत्व है। इस पुण्यप्रद माघ महीने में किए गए शुभ कर्मों से पाप नष्ट होते हैं। आरोग्यता और सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। हमारे क्षेत्रीय विद्वान पौरोहित्य कर्मकाण्ड स्नातक आचार्य चतुष्टय वेदाचार्य पुराणाचार्य व्याकरण एवं ज्योतिषाचार्य प्रमोद पचौरी ने बताया कि माघ का महीना आत्म शुद्धि स्वास्थ्य लाभ आध्यात्मिक उन्नति के साथ आत्म निरीक्षण और संयम को प्रदान करता है। माघ में किया जाने वाला स्नान दान तप साधना पूरी तरह से विज्ञान सम्मत है। महाभारत पद्म पुराण स्कंद पुराण नारद पुराण रामायण के साथ अन्य पुराणों में भी माघस्नान के महत्व का वर्णन मिलता है।

18 जनवरी रविवार को मौनी अमावस्या का महापर्व

माघ कृष्ण पक्ष की अमावस्या को मौनी अमावस्या के नाम से जाना जाता है इस दिन प्रयाग के त्रिवेणी संगम में काशी के दशाश्वमेध घाट पर और नर्मदा में स्नान करने से मनुष्य महत पुण्य का अधिकारी बनता है इसके अलावा और भी तीर्थों में स्नान दान का भी बहुत महत्व है। यह स्नान सभी पुरुषार्थों को प्रदान करता है। आचार्य प्रमोद पचौरी ने बताया कि इस दिन मौन व्रत धारण करना चाहिए। मन और विचारों की पवित्रता के लिए आंतरिक शांति, स्थिरता और अपनी ऊर्जा के आत्म निरीक्षण के लिए मौनव्रत का बहुत महत्व है। इस दिन किया गया सत्कर्म अनंत गुना फलदायी होता है इस दिन पितरों की आत्म शांति के लिए तर्पण श्राद्ध ब्राह्मण भोजन कराना चाहिए। मौनी अमावस्या पितृदोष के निवारणार्थ किए जाने वाले कार्यों के लिए भी बहुत ही लाभप्रद है।

ब्रह्माकुमारीज़ ने लगाई नशा मुक्त भारत अभियान आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी

तेंदूखेड़ा। बरमान मेले में ब्रह्माकुमारीज़ के तत्वावधान में आध्यात्मिक ज्ञान प्रदर्शनी एवं नशा मुक्त भारत अभियान का गरिमामयी आयोजन किया जा रहा है।जिसका शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल एवं आदरणीय बीके प्रीति दीदी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान विधायक श्री पटेल ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। बी के अर्पिता दीदी ने विधायक को सृष्टि चक्र के गहरे रहस्यों और ब्रह्मांडीय ज्ञान से अवगत कराते हुए बताया कि आज का मनुष्य अपनी वास्तविक पहचान और आंतरिक शक्तियों को पूरी तरह भूल चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो मानव पूर्व में अपने दिव्य गुणों के कारण देवता स्वरूप था वह समय के साथ संस्कारों के क्षय के कारण आज एक साधारण और अशांत मनुष्य बनकर रह गया है।इसी क्रम में अर्पिता दीदी ने सृष्टि चक्र के माध्यम से समझाया वर्तमान समय कलियुग का बिल्कुल अंतिम चरण चल रहा है। उन्होंने

संगम युग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस प्रकार भक्ति मार्ग में संगम स्नान का महत्व है उसी प्रकार ज्ञान मार्ग में यह वह समय है जब स्वयं परमात्मा का धरा पर अवतरण हो चुका है ताकि वे पुरानी दुनिया को बदलकर फिर से स्वर्णिम सतयुग की स्थापना कर सकें। प्रदर्शनी के माध्यम से श्रद्धालुओं को राजयोग द्वारा नशे जैसी बुराइयों को त्यागने का संकल्प भी दिलाया गया। इस सेवा के सफल आयोजन में ब्रह्माकुमारी ज्योति बहिन ब्पलक बहिन निशा बहिन और मुकेश भाई सहित अन्य बीके भाई बहनों ने सक्रिय रूप से उपस्थित रहकर जन जन तक ईश्वरीय संदेश पहुँचाने में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दे रहे हैं। विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने ब्रह्माकुमारीज़ के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे समाज के उत्थान के लिए एक सराहनीय कदम बताया। संस्थान की प्रतिनिधि बीके प्रीति दीदी ने प्रदर्शनी के उद्देश्य और महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति अभियान के तहत लोगों को जागरूक करना और उन्हें नशे के दुष्प्रभावों से बचाना संस्थान का मुख्य उद्देश्य है । यह प्रदर्शनी बरमान मेला समिति और ब्रह्माकुमारी संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की जा रही है। जिसका उद्देश्य लोगों को आध्यात्मिकता और नशा मुक्ति के प्रति जागरूक करना है। प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार की चित्रकलाएं और प्रदर्शनियां लगाई गई हैं जो लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताती हैं और उन्हें नशा मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करती हैं। मेला एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है जो मकर संक्रांति से बसंत पंचमी तक चलता है। इस मेले में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियां और कार्यक्रम से लोगों को जागरूक करना मुख्य उद्देश्य है।